जैन मन्त्र पुत्र के लिये

ऐं नमः ॐ नमो भगवती पद्मे ह्रीं क्लीं क्लूं त्रिट त्रिट नाम स्त्री अपत्य हिनाय अपत्य गुण क्षय सर्वावयव संयुत शोभन सुन्दर दीर्घायु पुत्रं देही देही मा विलम्बय विलम्बय रां ह्रीं श्रीं पदमावतीं मम कार्य कुरु कुरु स्वाहा ठः ठः ठः स्वाहा

Read it 108 times over a coconut and feed it to the woman who has passed her menses. Tested. Substitute the word Naam with the name of the woman